राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 9 अक्टूबर • 2023

ीएसए के कृषि मेले में किसानों की उमड़ी भीड़

्रभा किसान मेला शुरू, नई कृषि तकनीक का हुआ प्रदर्शन

- कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का किया उद्घाटन
- किसानों को बीज किट व दिव्यांगों को ट्राई साइकिल बांटी, पुस्तक विमोचन भी किया

ीएसए के किसान मेले में बीज के लिए लगी किसानों की भीड़।

कृषि उद्योग प्रदर्शनी देखते कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह। फोटो : एसएनबी

ा न्यूज ब्यूरो

।

आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी ालय कानपुर में अखिल भारतीय ला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि ायुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण होंने विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। उन्होंने किसानों को कृषि बीज किट व दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का वितरण किया, पुस्तकों का विमोचन किया और किसानों से नई कृषि तकनीक अपनाने की अपील की।

इस मौके पर कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित है। उन्होंने किसानों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉ.कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रशिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे हैं। वह शीघ्र ही एमओयू भी करेंगे।

विवि के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन अवश्य करें। किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। यहां मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल भी वितरित की गयीं।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ.संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉ.एसके दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहें। प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित है। यहां उप्र. सरकार कि राज्यमंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमलावती सिंह, महापौर प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ.नौशाद खान ने किया। यहां विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

80 क
लेन

कानपुर
ऑयल स
और खाद
के प्रतिष्ठ
देशव्यापी
जारी है। इ
की कर च
इसके अल
लेनदेन भ
जरिये 1
गया।वहीं
किया जा
लेन-देन
अधिक सं
गए हैं। अ
ज्वेलरी ज
50 अफस
ग्रुप के क
कोलकाता
एक साथ
अलग-अ
सूर्या नमक
गया था।
पड़ताल क
सुनील गु
गुप्ता, अचि
मयूर विल

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 09/10/2023

इंद्र जौ से कंफर्टेबल फैब्रिक और ज्वार की पत्तियों से बनाई स्लीपर

कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह ने सीएसए में किसान मेला और कृषि उद्योग प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (8 Oct): इन्द्र जौ के जरिए कॉटन से ज्यादा कंफर्टेबल फैब्रिक को तैयार किया गया है. इस फैब्रिक को इंद्र जौ से पहले रेशा निकाला गया और फिर धागा बनाकर रेडी किया गया है. संडे को सीएसए एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में आयोजित किसान मेले और कृषि उद्योग प्रदर्शनी में कॉलेज आफ कम्यूनिटी साइंस के स्टाल में लगे इसे दिखाया भी गया. यह रिसर्च यूनिवर्सिटी के कॉलेज आफ कम्यूनिटी साइंस के वस्त्र एवं पारिधान विभाग की डॉ. रितु पांडेय ने की है. इनकी यह रिसर्च यूएसए के जर्नल आफ नैचुरल फाइबर में पब्लिश हो चुकी है. उनका दावा है कि यह फैब्रिक बेबी टेक्सटाइल में यूज करने के लिए बेस्ट है. इसके अलावा उन्होंने कमल के रेशे से धागा बनाया हैं. दावा है कि यह धागा पशमीना से भी पतला है.

आयुक्त ने उद्घाटन किया

सीएसए में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन संडे को को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया. कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर गए और जानकारी हासिल की. साइंटिस्ट से एग्री टेक्नोलॉजी से संबंधित सवाल भी किए. उन्होंने वर्ष 2021-22 में देश का टोटल ग्रेन प्रोडक्शन 315.72 मिलियन टन रहा. स्टेट में 56.11 मिलियन टन ग्रेन प्रोडक्शन हुआ, जो कि देश के टोटल प्रोडक्शन का लगभग 17.72 परसेंट हैं. उन्होंने अन्नदाताओं से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे. रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने इंडिया व रसिया संग संबंधों पर बल दिया. कहा कि वह जल्द ही सीएसए के साथ एमओयू करेंगे. वीसी डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि मेले में कृषि तकनीक को सीखें और उसे लागू करें. इस मौके पर उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, मेयर प्रमिला पांडेय समेत अन्य लोग मौजूद रहे.

कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह ने मेले का उद्घाटन किया.

ज्वार की पत्तियों से बनाई एक्यूपंक्चर स्लीपर

कॉलेज आफ कम्यूनिटी साइंस की स्टूडेंट रश्मि, दामिनी, वैशाली, साक्षी और महिमा ने ज्वार की पत्तियों से स्लीपर बनाई है. बताया कि सीएसए के फार्म से पत्तियों को इकट्ठा करके स्लीपर को बनाया है. सबसे पहली बात की यह स्लीपर इकोफ्रेंडली है और इसके अलावा इसको पहनने से नैचुरल एक्यूपंचर मिलेगा, जो कि हेल्थ के लिए इंपार्टेंट है.

तीन दिवसीय किसान मेले का सीएसए में हुआ आगाज़

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन आज रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72ब्र है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें।

उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

वैष्णवी केमिस्ट एण्ड मेडिकल
हमारे यहां अंग्रेजी व आयुर्वेदिक दवायें उचित मूल्य पर मिलती है।
अंग्रेजी एवं आयुर्वेदिक दवाओं मे आकर्षक डिस्काउंट
24*7
प्रो. Drx. राजकुमार
मो.- 6394846894, 9140860734
हमीरपुर रोड शम्भुआ, बिधनू कानपुर नगर

अमर उजाला 09/10/2023

अब कानपुर के किसान भी पैदा करेंगे जापान व थाईलैंड के आम

सीएसए के किसान मेले में लगे स्टाल पर दी जानकारी, कई जिलों से पहुंचे किसान

सीएसए के किसान मेले में उत्पादों को देखते मुख्य अतिथि कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह, कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह, डॉ. कांस्टेंटिन ए.मालारेन्का। संवाद

सीएसए में आयोजित मेले में कई जिलों से किसान पहुंचे, जहां बीज लेने के लिए काउंटर पर किसानों के बीच मारामारी मची रही। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। जापान, इसराइल और थाईलैंड के आम अब कानपुर के बगीचों में पैदा होंगे। इनकी 12 तरह की प्रजातियां किसान मेले से खरीद सकते हैं। इनमें जापान का मियावाकी आम, इसराइल का रेड आइवरी, थाईलैंड के बनाना मैंगो, किंग ऑफ चकापाट, कटीमॅन, कस्तूरी आम, ब्लैक डायमंड जैसी किस्में प्रमुख हैं। इनके छह से आठ फीट की ऊंचाई के पेड़ों पर आंधी का असर कम पड़ता है। यह जानकारी रविवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शुरू हुए तीन दिवसीय किसान मेले में स्टॉल पर किसानों को दी गई।

[illegible] अ[illegible] मेले का शुभारंभ कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ मनोज कुमार सिंह ने किया। [illegible] वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन और प्रदेश का 56.11 मिलियन टन रहा है। किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से संपर्क कर नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाना चाहिए।

रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने कहा कि वह जल्द ही सीएसए के साथ करार करेंगे। मेले में कानपुर के अलावा [illegible], सीतापुर, बहराइच, गोंडा, [illegible], झांसी, लखनऊ, प्रयागराज, बुलंदशहर, बांदा, हमीरपुर, महोबा जैसे जिलों से किसान शामिल हुए। यहां उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, मेयर प्रमिला पांडेय, डॉ. नौशाद खान, डॉक्टर आरके यादव, डॉ. वीके त्रिपाठी और डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

चांद पर सब्जियों की खेती का मॉडल किया पेश

सीएसए के बीज विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने चंद्रमा पर बने गड्डों में सब्जियां उगाने की परिकल्पना को मॉडल से पेश किया। यहां अजय प्रताप सिंह ने बताया कि चंद्रमा पर काफी गहराई तक तापमान करीब 17 डिग्री मिला है। ऐसे में यहां पर एक एरिया को कवर कर प्रकाश और ऑक्सीजन के इस्तेमाल से सब्जियों का उत्पादन किया जा सकता है।

हर मौसम में उगाएं लोबिया, तीन गुना पैदावार

मेले में नागपुर की कंपनी के स्टॉल पर हाइब्रिड लोबिया के बीज किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां बबली, शर्ली और पूर्वजा नामक बीजों को किसी भी मौसम में उगा सकते हैं। इनकी पैदावार तीन गुना से ज्यादा है। यह 25 से 30 रुपये किलो के हिसाब से बिकती है।

अवशेषों से बनाया सजावटी सामान

सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग विभाग की छात्राओं ने कृषि अवशेषों से सजावटी सामान तैयार किए हैं। एमएससी प्रथम वर्ष की दामिनी, रश्मी, पीएचडी की साक्षी, महिमा, वैशाली ने ज्वार की पत्तियों से चप्पल, बैग, पर्स बनाए हैं। ज्वार की चप्पल से कुदरती तरीके से एक्यूप्रेशर होता है। फसलों की डंठल से माला, कंगन और घर के सजावटी सामान तैयार किए हैं।

कॉटन से ज्यादा मुलायम कपड़ा बनाया

सीएसए की वस्त्र एवं परिधान विभाग के विशेषज्ञों ने कॉटन से ज्यादा मुलायम कपड़ा तैयार करने में कामयाबी हासिल की है। यह मोटे अनाज इंद्र जौ से तैयार हुआ है। शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचुरल फाइबर में प्रकाशित हो चुका है। तकनीक को पेटेंट कराया जा रहा है। प्रो. रितु पांडेय और उनकी शोधार्थियों ने इंद्र जौ से रेशा निकालकर धागा तैयार किया। यह धागा पशमीना से भी पतला है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 100 कानपुर, सोमवार 09 अक्टूबर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आयुक्त ने किया कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

कानपुर । सीएसए में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72ब है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेले व कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

– 6

: 12 ● अंक 160 ● कानपुर, सोमवार 9 अक्टूबर 2023 = पृष्ठः 8 = मूल्यः 2.

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन, तीन दिवसीय किसान मेले का सीएसए में हुआ आगाज़

कानपुर । हिन्दुस्तान का इतिहास

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन आज रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72त्न है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्पाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

www.jagran.com दैनिक जागरण 09/10/2023 कानपुर जागरण

बैल चलाएंगे मशीन, डीजल-बिजली मुक्त होगी सिंचाई

सीएसए विश्वविद्यालय में किसान मेला शुरू

प्रदेश की अर्थव्यवस्था में किसानों-विज्ञानियों का योगदान छह लाख करोड़

अखिलेश तिवारी● कानपुर

जो गोवंशीय किसानों के लिए सिरदर्द बने हुए हैं उनकी मदद से किफायती खेती भी की जा सकती है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी (सीएसए) विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय किसान मेला प्रदर्शित एक मशीन ने इसकी उम्मीद जगाई है। मशीन बिजली या फिर डीजल के बजाय बैलों की शक्ति पेर चलती है। मशीन बैलों की शक्ति से 45 मीटर गहराई से पानी खींचने में सक्षम है। हर घंटे पांच से 25 हजार लीटर पानी निकाल कर सिंचाई के लिए दे सकता है। मशीन सिंचाई के साथ ही आटा चक्की, थ्रेशर मशीन के रूप में भी उपयोग में लाई जा सकती है। मेले में स्टार्टअप एनकोष कंपनी किसानी के संपूर्ण समाधान लेकर आई है जो किसानों को अच्छे बीज, उर्वरक, पेस्टिसाइड के साथ ड्रोन टेक्नोलाजी उपलब्ध कंराएगी। कंपनी की मदद से किसान फसल को मंडी भाव से भी अच्छे दाम पर बड़ी कार्पोरेट कंपनियों को बेच सकेंगे।

पशुचालित पांचाल पंप मशीन की किसान मेले में सबसे ज्यादा चर्चा रही। मशीन को किसान दो बैलों, भैंसों या एक घोड़ा व गधा या ऊंट की मदद से चला सकते हैं। यह चारा काटने में भी उपयोगी है, इसको

45 मीटर गहराई से पानी खींचने में सक्षम है पशुचालित पंप

25 हजार लीटर तक पानी निकाल सकता है पंप हर घंटे

सीएसए में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में लगा पशुचालित पंप ●जागरण

थ्रेशर मशीन और आटा चक्की के रूप में भी इस्तेमाल हो सकता है। वहीं, दूसरी ओर स्टार्टअप कंपनी एनकोष किसानों के लिए संपूर्ण समाधान लेकर आई है। कंपनी के संस्थापक आशुतोष तिवारी ने बताया कि कानपुर अटारी के कृषि विज्ञान केंद्रों के साथ जुड़कर कंपनी किसानों के लिए काम कर रही है। कंपनी से जुड़ने वाले किसानों को गुणवत्ता युक्त बीज, उर्वरक, पेस्टिसाइड उपलब्ध कराने के साथ ड्रोन टेक्नोलाजी की सुविधा भी दी जा रही है। किसानों को समय-समय पर कृषि विज्ञानियों की सलाह भी कंपनी की ओर से दी जा रही है। इसके अलावा किसान जब अपनी तैयार फसल को बेचना चाहते हैं तो उन्हें मंडी भाव से बेहतर दाम दिलाने के लिए देश में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ सीधे कृषि उत्पाद बेचने में भी मदद करते हैं।

पिछले साल कंपनी ने चार हजार किसानों को अपना उत्पाद बेचने में मदद की है। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज प्रक्षेत्र प्रो. विजय कुमार यादव ने बताया बड़ी तादाद में किसानों ने बीज की खरीद की है। लगभग 24 लाख रुपए का बीज बेचा गया है।

जासं, कानपुर: प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने रविवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसएवि) के किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस दौरान, उन्होंने कहा कि प्रदेश की 22 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान छह लाख करोड़ का है। विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने फसलों की सैकड़ों उन्नतशील प्रजातियां दी हैं। किसान और कृषि विज्ञानियों की मेहनत का प्रतिफल है कि देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन में से प्रदेश का हिस्सा 56.11 मिलियन टन है। यह देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 15 प्रतिशत है। उन्होंने किसानों को बीज किट का वितरण भी किया।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि किसानों को मूल्यवर्धित उत्पादन के लिए प्रयास करना चाहिए। इससे उनकी खेती से आय दो से तीन गुणा तक बढ़ जाएगी। इससे पहले उन्होंने मेले में लगे स्टालों पर कृषि की नवीनतम तकनीक के बारे में जानकारी जुटाई। समारोह में

सीएसए में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में पुस्तक का विमोचन करते कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह (बाएं से तीसरे)। साथ में राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला (दाएं से दूसरी), कृषि काउंसलर डा.कांस्टेंटिन, कुलपति डा.आनंद कुमार सिंह व डा.संजय (बाएं से दाएं)●जागरण

15% से अधिक है देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में उत्तर प्रदेश का हिस्सा

शामिल रूस के कृषि काउंसलर डा. कांस्टेंटिन ने विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधानों की सराहना की और रूस के साथ शैक्षिक व तकनीकी साझेदारी का इरादा जताया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने स्वागत भाषण में मेले के उद्देश्य की चर्चा की। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. संजय सिंह और आइसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डा. एसके दुबे ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर किसानों को बीज किट और दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल दी गई। विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। महापौर प्रमिला पांडेय, प्रदेश की राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला, भाजपा नेत्री कमलावती, निदेशक प्रसार डा. आरके यादव, डा. नौशाद खान उपस्थित रहे।

आज 09/10/2023 महानगर

किसान मेला में उमड़ी भीड़, कृषि तकनीक की दी गईं जानकारियां

स्टालों का भ्रमण किया कृषि उत्पादन आयुक्त व कुलपति ने किसानों को बीज किट और दिव्यांगों को दी ट्राईसाइकिलें

भ्रमण के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह, कुलपति डा. ए.के. सिंह, रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन व अन्य।

प्रदर्शनी देखते मुख्य अतिथि व वैज्ञानिक।

कानपुर, 8 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का फीता काट कर उद्घाटन करते हुए रविवार को मुख्य अतिथि कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने कहाकि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसानों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। प्रदर्शनी के शुभारंभ के बाद कृषि उत्पादन आयुक्त, कुलपति ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों पर जाकर नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी के बारे में सवाल-जवाब किये। मुख्य अतिथि ने किसान भाइयों को बीज किट भी वितरण किए और वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। कार्यक्रम में रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रशिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे। वह शीघ्र ही एमओयू भी करेंगे। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किसानों से कहाकि खेतों में संतुलित रसायनिक उर्वरक डालना चाहिये। अत्यधिक रसायन से फसलों की पैदावार और गुणवत्ता पर असर पड़ता है। अंधाधुंध उर्वरक से मिट्टी के रिसते हुए निचले जल स्तर को भी प्रभावित करता है और आज 200 फिट नीचे जलस्तर भी सुरक्षित नहीं है। नित्य नई-नई बीमारियां आ रही है, जोकि पूर्व में कभी नहीं रही। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने कहाकि यूपी में गेहूं, धान और आलू की पैदावार में आगे है, पर प्रति हेक्टेयर पैदावार में पंजाब से काफी पीछे है। सर्वेक्षण के मुताबिक समय प्रबंधन व उच्चकोटि की बीजों से पैदावार को बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर महापौर प्रमिला पांडे, राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्ठाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डा. संजय सिंह, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती, सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। अंत में सभी अतिथियो को धन्यवाद निदेशक प्रसार डा. आर.के. यादव ने किया और कार्यक्रम का संचालन डा. नौशाद खान ने किया।

ज्वार की पत्तियों से बनाई इको फ्रैंडली स्लीपर

कानपुर। सीएसए, कॉलेज आफ कम्यूनिटी साइंस की छात्रा रश्मि, दामिनी, वैशाली, महिमा ने ज्वार की पत्तियों से स्लीपर तैयार की है। छात्राओं ने बताया कि सीएसए के फार्म से पत्तियों को इकट्ठा करके स्लीपर को बनाया है। ये यह स्लीपर इकोफ्रेंडली है। इसके अलावा इसको पहनने से नैचुरल एक्यूपंचर मिलेगा, जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि के लिए बेहतर है।

जौ व कमल के रेशे से तैयार किया धागा

कानपुर। सीएसए के वस्त्र एवं पारिधान विभाग की वैज्ञानिक डॉ. रितु पांडेय ने कॉटन से ज्यादा कंफर्टेबल फैब्रिक को तैयार किया है। इस फैब्रिक को इंद्र जौ (मिलेट) से रेशा निकाल और रेशे से धागा बनाया। इनकी यह रिसर्च यूएसए के जर्नल आफ नैचुरल फाइबर में पब्लिश हो चुकी है। इनका दावा है कि यह फैब्रिक बेबी टेक्सटाइल में यूज करने के लिए बेस्ट है। उन्होंने कमल के रेशे से भी धागा तैयार किया है। पशमीना शाल में इस्तेमाल करने वाले धागा से भी पतला है।

किसान मेला में बीज लेने के लिए उमड़ी भीड़

कानपुर। सीएसए के किसान मेला में गुणवत्तायुक्त बीज लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। रबी, तिलहन सहित कई अन्य बीजों की खरीदारी के लिए स्टाल पर किसानों की लंबी-लंबी कतारे लगी है। इसके साथ ही मैदान में 100 से अधिक स्टाल लगाये गये हैं, जहां पर कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगी। ट्रैक्टर, स्माल रोटा सहित कई तकनीकि स्टाल भी लगाये गये। स्टालों पर कृषि यंत्रों की जानकारियां दी गई। 9 और 10 अक्टूबर तक किसान मेला और प्रदर्शनी चलेगी और तीनों दिनों में करीब 15 हजार तक किसानों के आने की उम्मीद जताई जा रही है।

में भरवाकर कहीं और फिकवाएं।

सीएसए के मैदान पर आयोजित किसान मेले का निरीक्षण करते डॉ. मनोज कुमार सिं

हिंदुस्तान 09/10/2023

किसान मेले में ज्वार की नमकीन, बाजरे का पेड़ा

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। श्रीअन्न से सिर्फ मिट्टी नहीं, बल्कि किसान और समाज भी स्वस्थ रहेगा। यह बात कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह ने कही। कहा, श्रीअन्न (ज्वार, बाजरा, रागी, सांवा, चीनी, कोदो) की जैविक खेती कर देश स्वस्थ होगा। प्रधानमंत्री के प्रयास के बाद चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि और इससे संबद्ध 15 कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को जागरूक कर रहे हैं। भारतीय किसान मेला और कृषि उद्योग प्रदर्शनी की विषय वस्तु भी श्रीअन्न पर आधारित है। वहीं, स्टॉल में ज्वार की नमकीन और बाजरा के पेड़े का प्रदर्शन किया गया।

रविवार को सीएसए के मैदान पर आयोजित तीन दिवसीय किसान मेले का शुभारंभ डॉ. मनोज कुमार सिंह, कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। मेले में विवि के सभी विभाग और केवीके ने अपनी उपलब्धि के स्टॉल लगाए थे। मेले में हरदोई केवीके ने श्रीअन्न से तैयार इडली, बिस्किट समेत विभिन्न फास्डफूड का प्रदर्शन किया। मैनपुरी केवीके ने ज्वार की नमकीन, बाजरा का पेड़ा व बिस्किट आदि का प्रदर्शन किया। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है, जिसमें प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है। प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। अतिथियों ने किसानों को बीज किट भी दी। विवि की लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। कई दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. एसके दुबे ने भी जानकारी दी। महापौर प्रमिला पांडेय, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, कमलावती, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. विजय यादव रहे।

रात नौ बजे तक बिके 24 लाख के बीज

मेले में गेहूं, चना, राई समेत रबी व सभी फसलों के उन्नत बीज की बिक्री को भी स्टॉल बने हैं। बीज ले को प्रदेश के कोने-कोने से किसान आए थे। बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशक ड विजय कुमार यादव ने बताया कि पहले दिन 24 लाख रुपये से अधि के बीज बिक गए।

रूस के वैज्ञानिक सीएसए संग करेंगे शोध

रूस के कृषि काउंसलर डॉ. कांस्टेंटिन भी मेले में रहे। कहा, विवि में कृषि क्षेत्र में काफी अच्छे शोध हो रहे हैं। जल्द विवि संग समझौता कर शोध को संयुक्त रूप से किया जाएगा।

घर में उगाएं ड्रैगन फ्रूट

मेले में ड्रैगन फ्रूट लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। विवि के उद्यान विभाग के स्टॉल पर ड्रैगन फ्रूट को गमले में लगाया गया था। विभाग के प्रभारी डॉ. एके त्रिपाठी ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट वैसे मुख्य रूप से चीन का फल है पर इसे स्थानीय जलवायु के अनुरूप विकसित किया गया है। इस फल को अब कमलम फल कहा जा रहा है। इसे बड़े गमले या क्यारी में लगाया जा सकता है। यह दूसरे वर्ष से फल देना शुरू कर देता है। घर में खेती करने के लिए भी एक मॉडल प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन शुरू

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

प्रदीप शर्मा

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. मनोज कुमार सिंह ने रविवार को अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने सभी स्टालों पर भ्रमण कर विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को देखने के साथ वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न किए। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन और प्रदेश में 56.11 मिलियन टन

खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 फीसदी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉ.कांस्टेंटिन ने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है वहां बहुत ही अच्छे शोध हो रहे हैं। उन्होंने इंडिया और रूस के मधुर संबंधों पर बल देते हुए कहा कि वह जल्द ही एमओयू भी करेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि कृषक मेले का आयोजन किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ कृषि तकनीकी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने किसानों से किसान मेले मे नवीनतम कृषि तकनीक की जानकारी लेने की बात कही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट एवं दिव्यांग जनों में ट्राई साइकिल का वितरण किया गया व विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कृषि मेले में उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ.संजय सिंह द्वारा किसानों को संबोधित किया गया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉ.एस.के.दुबे ने किसानो से कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहने की बात कही। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित है।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टहार प्रतिभा शुक्ला वारसी,भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमलावती, महापौर प्रमिला पांडेय सहित

विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 36 कानपुर, सोमवार 09 अक्तूबर-2023 पृष्ठ -8

महिला शिवांगी सिसोदिया उर्फ सविता देवी पुत्री बिहारी कार्यवाही की गयी।

शुरू कर देना चाहिए।डॉ. सुमित देना चाहिए।डॉ. विवेक सक्सेना डॉक्टर विवेक सक्सेना ने किया

आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

समाज का साथी

कानपुर। सीएसए में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया।

इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72त्र है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें।उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई।उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया।

आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमलावती , कानपुर की महापौर प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

सीएसए में तीन दिवसीय किसान मेला शुरू

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन, बीज खरीदने को दिखी किसानों में दिलचस्पी

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं।

इस अवसर पर राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती, महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया।

अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन कर निरीक्षण करते कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह।

ज्वार की पत्तियों से चप्पल, बैग और पर्स बनाए

सीएसए के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की छात्राओं व शोधार्थियों ने किया तैयार, कृषि अवशेषों से फैशन की वस्तुएं बनाईं

कृषि मेला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की टेक्सटाइल एंड क्लोदिंग विभाग की छात्राओं ने कृषि अवशेषों से सजावटी सामान तैयार किए हैं। इन्हें विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय कृषि मेले में लगी प्रदर्शनी में रखा गया है। एमएससी प्रथम वर्ष की दामिनी, रश्मी, पीएचडी की साक्षी, महिमा, वैशाली ने ज्वार की पत्तियों से चप्पल, बैग, पर्स तैयार किए हैं। इनकी कीमत बेहद कम है, जबकि औषधीय गुणों की वजह से बाजार में मांग बढ़ सकती है।

ज्वार की चप्पल से कुदरती तरीके से एक्यूप्रेशर होता है, जबकि फटी हुई एड़ियों को भरने में सहयोग करेगी। पैरों को राहत महसूस होगा और पसीने की समस्या नहीं आएगी। छात्राओं ने कई अन्य फसलों की डंठल से माला, कंगन और घर के सजावटी सामान तैयार किए हैं। एक्सटेंशन एजुकेशन से पीएचडी कर रही ऐश्वर्या सिंह व दिव्यांका तिवारी ने बेकार की वस्तुओं से गुलदस्ता, टोकरी, पूजा की थाली, गुड्डे और गुड़िया बनाई है। इनका बनाने का प्रशिक्षण गांवा की महिलाओं और युवतियों को दिया जा रहा है।

सुतली से तैयार टोकरी दिखाती शोधार्थी ऐश्वर्या सिंह। अमृत विचार

ज्वार की पत्तियों से बनी चप्पल दिखाती छात्रा दामिनी। अमृत विचार

कॉटन से ज्यादा मुलायम कपड़ा बनाया

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की वस्त्र एवं परिधान विभाग के विशेषज्ञों ने कॉटन से ज्यादा मुलायम कपड़ा तैयार करने में कामयाबी हासिल की है। यह कपड़ा मोटे अनाज इंद्र जौ से तैयार हुआ है। शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचुरल फाइबर में प्रकाशित हो चुका है। तकनीक को पेटेंट कराया जा रहा है। प्रो. रितु पांडेय और उनकी शोधार्थियों ने इंद्र जौ से रेशा निकाला। इसका धागा तैयार किया गया। इस धागे से फाइबर और फिर फाइबर से कपड़ा बनाया गया। प्रो. रितु के मुताबिक यह कपड़ा छोटे बच्चों के लिए बेहद आरामदायक रहेगा। उन्हें किसी भी तरह की जलन और चुभन महसूस नहीं होगी। इसपर अभी और कार्य चल रहा है। उनकी टीम ने कमल के डंठल से भी कपड़ा तैयार किया है।

छोटे तरबूज की तरह डेढ़ किलो का बेल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को लखनऊ के केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) से तरबूज के आकार का बेल आया है। इसको देखने, छूने और उठाकर देखने के लिए हर कोई स्टाल पर खींचा चला आया। इस बेल की दो वैराइटी सीआईएसएच बी-1 और सीआईएसएच बी-2 आई है। इन्हें केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान की ओर से विकसित किया गया है, जबकि सीएसए के बागवानी विभाग में उगा है। एक फल का वजन डेढ़ से दो किलोग्राम है, जबकि सामान्य बेल 250 से 350 ग्राम का होता है। बागवानी विभाग के डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इस बेल की खासियत है कि इसका छिलका काफी मुलायम होता है। इसके अंदर काफी गूदा रहता है। सीएसए में प्रजाति पर टेस्टिंग की जा रही है। नई वैराइटी की खोज पर कार्य चल रहा है। तरबूज के आकार का बेल किसानों को बोने की सलाह दी जा रही है। कुछ किसानों ने अपने यहां पौधे रोपित किए हैं।

शोधार्थियों को बड़े बेल के बारे में बताते डॉ. विवेक कुमार त्रिपाठी। अमृत विचार

नई तकनीक किसानों तक पहुंचाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया सीएसए विवि के किसान मेले व प्रदर्शनी का उद्घाटन
- रूसी कृषि काउंसलर ने विश्वविद्यालय की जमकर की तारीफ, एमओयू के लिए कहा

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। उन्होंने विभिन्न स्टालों का भ्रमण कर कृषि तकनीक को देखा और वैज्ञानिकों से प्रश्न भी किए। उन्होंने वैज्ञानिकों से कहा कि तकनीक का प्रसार किसानों तक जरूर हो सके। उन्हें विश्वविद्यालय और कृषि केंद्रों पर आमंत्रित किया जाए। उन्हें नई तकनीक व प्रशिक्षण से अवगत कराएं। किसानों से सीएसए से जुड़े रहने की अपील की।

रूस के कृषि काउंसलर डॉ. कांस्टेंटिन ने कहा कि सीएसए के पास क्षमता बहुत है। यहां की प्रयोगशालाएं और फार्म हाउस बहुत बेहतर हैं। बहुत अच्छे शोध हो रहे हैं। जल्द ही विश्वविद्यालय के साथ एमओयू साइन हो सकता है। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि कृषक मेले का आयोजन किसानों को बीजों के वितरण के साथ-साथ कृषि तकनीकी की जानकारी देने के लिए होता है। विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला वारसी, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमलावती, महापौर प्रमिला पांडेय, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह, आईसीएआर अटारी के निदेशक डॉ. एसके दुबे, डॉ. नौशाद खान, डॉ. आरके यादव, डॉ. खलील खान आदि मौजूद रहे।

कृषि मेले में लगी प्रदर्शनी देखते कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह।

जमीन पर बैठे किसान।

कुर्सी नहीं मिलने से जमीन पर बैठे किसान

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रदेश भर से किसानों को आमंत्रित किया गया, लेकिन मेले की व्यवस्थाएं आधी अधूरी नजर आई। फसलों के बीज के लिए जहां धक्का मुक्की रही। वहीं पांडाल में बैठने के लिए कुर्सियां पर्याप्त नहीं थी। कुर्सियां न मिलने पर किसान और महिला किसान जमीन पर ही बैठ गए। कुछ महिलाएं तो अपने साथ छोटे छोटे बच्चे भी लेकर पहुंची थी। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि अव्यवस्था जैसी कोई बात नहीं थी। कुर्सियों पर काफी देर तक बैठे थे।

आज का कानपुर
हिन्दी दैनिक

उड़ानों का शहर

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

तीन दिवसीय किसान मेले का सीएसए में हुआ आगाज़

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे ।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही ।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेले व कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे।विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

किसान मेला | सीएसए के अखिल भारतीय किसान मेला व कृषि उद्योग प्रदर्शनी में आया, औषधीय गुणों से भरपूर

एक लाख रुपये किलो मशरूम देख हर कोई हैरान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। करीब एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम मशरूम , औषधीय गुणों से भरपूर, कैंसर रोधी तत्व और न्यूरो संबंधी रोगों में इसका उपयोग बेहद कारगर। यह कोई ऐसा वैसा मशरूम नहीं है। इसको रविवार से चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में शुरू हुए तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सोलन (हिमाचल प्रदेश) स्थित खुम्ब अनुसंधान निदेशालय की ओर से लाया गया है। इसकी कीमत और खूबियों को देखकर हर कोई आश्चर्यचकित है।

खुंब अनुसंधान निदेशालय के तकनीकी अधिकारी गुलेर राणा ने बताया कि एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम कीमत के मशरूम का नाम कोर्डिसेप मशरूम है। यह हिमाचल के अलावा राजस्थान और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में उगाया जा रहा है। इसको उगाने का तरीका थोड़ा अलग है। इसको भूसे की जगह लकड़ी के बुरादे में उगाया जाता है। करीब 40 से 45 दिन का समय लगता है। इसके स्पॉन अन्य मशरूम की तरह ही रहते हैं। इनका मुख्य उपयोग दवा कंपनियां न्यूट्रास्युटिकल्स (मल्टी विटामिन व ताकत की दवा) बनाने में कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश के स्थानीय लोग सुखाकर चाय की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। भोजन में नहीं खाया जा सकता है। स्वाद कड़वा रहता है। रिसर्च सेंटर में इसकी नई प्रजातियां विकसित की जा रही हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। कैंसर में ट्यूमर सेल को कम करने में सहयोग करता है।

एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम कीमत वाले मशरूम को दिखाते गुलेर राणा।

खुम्ब अनुसंधान निदेशालय के स्टॉल में रखे गैनोडर्मा, शिटैक और हैरीशियम मशरूम।

17 हजार रुपये किलो वाला मशरूम भी

प्रदर्शनी में खुम्ब अनुसंधान निदेशालय की ओर से लगाए गए स्टॉल में 17 हजार रुपये प्रति किलोग्राम कीमत वाला गैनोडर्मा मशरूम भी रखा गया है। यह भी औषधीय गुणों से भरपूर है। निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. दत्तात्रेय ने बताया कि आमतौर पर पेड़ों के किनारे बारिश के मौसम में निकलने वाले मशरूम की तरह लगता है, लेकिन यह सख्त होता है। हर दिन केवल दो ग्राम तक ही लेना चाहिए। इससे अधिक का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। दवाओं के निर्माण में उपयोग हो रहा है। स्टॉल में शिटैक मशरूम और हैरीशियम मशरूम भी रखे गए हैं। इनकी अनुमानित कीमत एक से डेढ़ लाख रुपये प्रति किलोग्राम है।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

09,10,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कृषि उत्पादन आयुक्त ने किया किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन, तीन दिवसीय किसान मेले का सीएसए में हुआ आगाज़

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन आज रविवार को कृषि उत्पादन आयुक्त डा. मनोज कुमार सिंह ने किया। इस दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने सभी स्टालों पर भ्रमण किया तथा विभिन्न स्टालों के द्वारा प्रदर्शित नवीनतम कृषि तकनीक को भी देखा और वैज्ञानिकों से कृषि तकनीकी से संबंधित प्रश्न भी किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्ष 2021-22 में देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 315.72 मिलियन टन है तथा प्रदेश में 56.11 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ है जो कि देश के कुल उत्पादन का लगभग 17.72% है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय 450 एफपीओ संचालित हैं। उन्होंने किसान भाइयों से अपील कि वे कृषि वैज्ञानिकों से नवीनतम कृषि तकनीकी हेतु जुड़े रहे। इस अवसर पर रशियन कृषि काउंसलर डॉक्टर कांस्टेंटिन ने अपने संबोधन में सभी को धन्यवाद दिया तथा उन्होंने इंडिया रसिया के साथ मधुर संबंधों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएसए में उन्होंने जिस भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया है बहुत ही अच्छे शोध हो रहे ।वह शीघ्र ही एम ओ यू भी करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह ने अपने संबोधन में किसानों से कहा कि इस तीन दिवसीय किसान मेले में नवीनतम कृषि तकनीक का ज्ञानार्जन आवश्यक करें। उन्होंने कहा कि कृषक मेले का आयोजन इसलिए भी किया जाता है कि किसानों को नवीन कृषि बीजों के साथ-साथ कृषि तकनीकी भी मिल सके। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अतिथियों द्वारा किसानों को बीज किट भी वितरण किए गए तथा विश्वविद्यालय द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया। दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल में भी वितरित की गई। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर संजय सिंह ने भी किसानों को संबोधित किया। आईसीएआर अटारी कानपुर के निदेशक डॉक्टर एस के दुबे ने किसानों से कहा कि वे कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े रहे प्रत्येक जनपद में कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार कि राज्य मंत्री महिला कल्याण बाल विकास एवं पुष्टाहार श्रीमती प्रतिभा शुक्ला वारसी,भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कमलावती जी, कानपुर की महापौर श्रीमती प्रमिला पांडेय भी उपस्थित रही।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर नौशाद खान ने किया। जबकि अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, विभाग अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।